737

1.12.17

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

अपना नीजी "विश्व"
आप नियमीत ध्यान
कर के बना सकते है।

बाबास्वामी
1-12-17

738

2.12.17

शनिवार

आत्मा

इस आपके निजी "विश्व" मे कोई आयेगा तो वह आपके ही प्रभाव मे आयेगा,

बाबास्वामी
2.12.17

739

3.12.17

रविवार

❀ आत्मा ❀

आपके पास मे आकर
"आप" को कोई परेशान
कभी कर ही नही
सकता है।

बाबास्वामी
3.12.17

740

4.12.17

सोमवार

आत्मा

आप के हाथ से अब पापकर्म होगा ही नही क्योकी आपके आसपास पापकर्म करने की "ऊर्जा" ही नही होगी,

बाबास्वामी
4/12/17

5.12.17

सोमवार

आत्मा

तो जब पापकर्म होगा ही
नहीं तो पापकर्म भोगने
के लिये नया "जन्म" भी
लेना नहीं होगा,

बाबास्वामी
5.12.17

742

6.12.17

बुधवार

✿ आत्मा ✿

आने वाले समय मे ही
औरा की आवश्यकता
पडने वाली होगी इसी
लीये "औरा" पर हिमालय
के गुरुओ ने ध्यान
दिया है,

बाबास्वामी
6.12.17

743

7.12.17

गुरुवार

❀ आत्मा ❀

क्योंकि "भविष्य" में क्या
होने वाला है, वे यह भी
जानते हैं।

बाबास्वामी
7.12.17

744

8.12.17

शुक्रवार

आत्मा

"ओरा" अवीव्य की आवश्यकता है, ऐसा उन्हे लगा होगा

बाबास्वामी
8.12.17

745
9.12.17
शनिवार

ꕥ आत्मा ꕥ

कोई कीसी की सुरक्षा नहीं कर सकता प्रत्येक मे "ओरा" बना कर अपनी सुरक्षा करना होगी।

बाबास्वामी
9.12.17

746

10.12.17

रविवार

❀ आत्मा ❀

"ओरा" का निर्माण क्षण भर मे संभव नही है, उसे बनाने मे "सालो" का समय लगता है।

बाबास्वामी
10.12.17

747

11.12.17

सोमवार

आत्मा

आत्म साक्षात्कार के बीना "आत्मा" का प्रकाश संभव नहीं है।

बाबास्वामी
11.12.17

748

12.12.17

मंगलवार

✿ आत्मा ✿

"आत्मा" मानो दिया है, लो और उसका प्रकाश है,

बाबास्वामी
12.12.17

749

13.12.17

बुधवार

आत्मा

भविष्य मे होने वाले अंधेरे मे "आत्मा" के प्रकाश की "आवश्यकता" होगी।

आत्मस्वामी
13.12.17

750

14.12.17

गुरुवार

आत्मा

"आत्मा" का प्रकाश
तो कल की सुरक्षा
की आवश्यकता है,

बाबास्वामी
14.12.17

751

15.12.17

शुक्रवार

आत्मा

आने वाले कल के
अंधेरे मे "आत्मा"
का प्रकाश ही हमे
मार्ग बतायेगा,

बाबास्वामी
15.12.17

752

16.12.17

शनिवार

❀ आत्मा ❀

"आत्मा" को प्रकाशीन होने के लिये आत्म जागृती आवश्यक है,

बाबास्वामी
16.12.17

752

17.12.17

रविवार

❀ आत्मा ❀

"आत्म जागृती" बाजार में खरीदी नहीं जा सकती है,

बाबा स्वामी
17.12.17

753

18.12.17

सोमवार

आत्मा

"आत्मा" के संस्कार से ही आत्म जागृति संभव है।

बाबास्वामी
18.12.17

754

19.12.17

मंगलवार

❀ आत्मा ❀

"आत्मा" का संस्कार जो शरीर बन कर कभी प्राप्त नहीं हो सकता है,

बाबास्वामी
19.12.17

20.12.17

बुधवार

❀ आत्मा ❀

"समर्पण संस्कार" एक
पवित्र आत्मा ने एक
पवित्र आत्मा पर किया
गया परमात्मा का
संस्कार है।

बाबास्वामी
20/12/17

21.12.17

गुरुवार

❀ आत्मा ❀

"सर्मपण संस्कार" का संमन्ध प्रत्येक मनुष्यमात्र से है।

बाबास्वामी
21.12.17

757

२२.१२.१७

शुक्रवार

ꕥ आत्मा ꕥ

समर्पण संस्कार मनुष्य के भितर का मनुष्य "धर्म" जगाता है।

बाबास्वामी
22|12|17

758

23.12.17

शनिवार

❀ आत्मा ❀

मनुष्य का मनुष्य धर्म
जागृत होने पर मनुष्य
मे "प्रेम" का मुल स्वभाव
जागृत होता है।

बाबास्वामी
23-12-17

२५.12.17

रविवार

❀ आत्मा ❀

मनुष्य की उपासना पद्धती
भले ही अलग अलग
हो भितर का "धर्म" तो
एक ही है, मनुष्य धर्म
यह ज्ञान हो जाता है।

बाबास्वामी
२५|12|17

760

25.12.17

सोमवार

आत्मा

मानव सभ्यता तो हजारों सालो मे विकसील हुयी है। जो महान मानव अपने जिवनकाल मे "प्रकृती" से समरस हुये उनके उपदेश अनुभव बाद मे उपासना पद्धती हो गये।

बाबास्वामी
25.12.17

26.12.17

मंगलवार

❀ आत्मा ❀

उपासना पद्धतियों का मुख्य उद्देश्य "मनुष्य" को विकसित करना था।

बाबास्वामी
26.12.17

27.12.17

बुधवार

आत्मा

मनुष्य अपने आप को जानकर ही विकसीत हो सकता है, और "आत्मसाक्षात्कार" के बीना अपने को जानना संभव नही है।

बाबा स्वामी
27.12.17

763

28.12.17

गुरुवार

🏵 आत्मा 🏵

सभी धर्मों का उद्देश
मनुष्यता जगाना ही था
पर "उद्देश" छुट गया और
आंवडम्बर और बाहरी
बाते ही पकड़ मे आ
पायी और लोगो ने उसे
ही धर्म समझ लीया,

बाबास्वामी
28.12.17

29.12.17

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

बाहिर से उपदेश दे कर
यह कार्य न होता देख
हिमालय के गुरुओ ने
८०० साल की साधना
के बाद "अनुभुती संस्कार"
का मार्ग चुना है।

बाबास्वामी
29.12.17